

1.) श्रीनृसिंहं गणपतिं गुरुं दुर्गा शिवं गिरं । नवा त्रयोदशोऽध्याये वेददीपं ब्रु-
वे शुभं ॥ द्वादशे M. and MM. 2.) See पाणि° ६. ४. ७३. 3.) सम्यक् MM. 4.)
शत्रुत्र सहते MM. शत्रून् स° A. 5.) पेवालिषु MM. 6.) समुद्रवन्ति? 7.) against
the accent and the Pada. अन्तः is to be disjoined from कृदा. 8.) सप्त-सप्त ।
एकैकमित्यन्ये M. MM. 9.) °यादीकारः A. °यादीकारौ M. °यादीकारो MM. 10.)
चित्तिं चेतव्यं MM. चित्तिं चेतव्यं A. The text reads °चित्तिं. 11.) रजसो प्रजा-
यते A. M. MM. 12.) एतच्च A. 13.) नृन् A. नृः B. नृः C. नृः EIH 2479. नृः
K. J. See १८. ७७. where we find the following readings: नृः B. नृः C. नृः
EIH 2479. नृः K. J. 14.) एमन् A. MM. 15.) मन् लोपश्च A. मन्तो लोपश्च
MM. 16.) °मोदन् A. MM. 17.) इयमपाम° the Brāhm. The word पृथिवी
is a gloss. 18.) Kātyāyana reads दश-दश पुरुषमुपायैके रेतःसिग्वेलायां च
सर्वतो यथायोगमयं पुर इति प्र°. 19.) भरत् A. 20.) °त्तरतस्तस्यो A. °रत्र त-
स्यो MM. 21.) °त्सुमित्रं A. °त्सुमित्रं M. MM. 22.) °मित्रमपित्रपं A. MM. 23.)
ये-ये ना° A. MM. 24.) °कर्मऽर्षि° A. MM. 25.) °तृष्णा लो° MM. 26.) वि-
श्वेति A. MM. see Adhyāya XII. not. 16. 17. 27.) M. and MM add. इति वे-
ददीपे प्रथमचित्युपधानं नाम त्रयोदशोऽध्यायः. —

Adhyāya XIV. kaṇḍ. १-३१ are explained in the Ṣaṭap. Brāhm. ८, २, १, ३ - ४, ३,
१३ and quoted by Kātyāyana १७, ८, १५ - १७, १३.

1.) श्रीनृसिंहं गणपतिं प्रणम्य कृपया तयोः । अयं चतुर्दशाध्याये वेददीपो वि-
तन्यते ॥ त्रयोदशाध्याये M. and MM. but M reads both times °शेऽध्याये. 2.)
उख्यस्याग्नि M. °स्याग्ने MM. 3.) वीर्येणेह तिष्ठेति M. MM. 4.) द्रविणो MM.
5.) मन्त्रविशेषो? con. उद्बुध - पद्य is wanting in MM. 6.) ज्यैष्ठमासः M.
7.) प्रातिकसु° M. प्रतिकसु° MM. 8.) समानस्य is wanting in M. 9.) वयोना-
थाः M. ते वयोनाथाः - श्रुतेः is wanting in MM. 10.) M adds एवमुत्तरमन्त्रे-
ष्वपि. 11.) सर्व - विश्वैर्दे° is wanting in MM. 12.) जनयचा M. 13.) दर्शन-
समर्थ - °वणसमर्थ is wanting in MM. 14.) बहुशासुश्रव° M. the शब्द is my